

অগ্নিবীণা বাজাও তুমি কেমন ক'রে !
 আকাশ কাঁপে তারার আলোর গানের ঘোরে ॥
 তেমনি ক'রে আপন হাতে ঠুলে আমার বেদনাতে,
 নূতন সৃষ্টি জাগল বুঝি জীবন-পরে ॥
 বাজে ব'লেই বাজাও তুমি সেই গরবে,
 ওগো প্রভু, আমার প্রাণে সকল সবে ।
 বিষম তোমার বহিষ্কাতে বারে বারে আমার রাতে
 আলিয়ে দিলে নূতন তারা ব্যথায় ভ'রে ॥

II সা -১ রা | রা -পা | ষজ্জা -১ I রা সা -১ | রা -জ্জা | রা -জ্জা I
 অ গ্ নি বী ° গা ° বা জা ও তু ° মি °

I সা রা -সা | না -১ | সা -১ I মা পা -১ | পা -১ | পা -মা I
 কে ব ন্ ক ° রে ° আ কা শ্ কা ° পে °

I পণা গা -১ | ধা -১ | পা -ধা I মা পা -ধা | মপা -ধপা | ষজ্জা -রা II
 তা ° রা ব্ আ ° লো ব্ গা নে ব্ ঘো ° ° ° রে °

II { না -১ না | না -১ | না -সাঁ I সাঁ সাঁ -১ | সাঁ -না | সাঁ -১ I
 তে ম্ নি ক ° রে ° আ প ন্ হা ° তে °

I সঁরা সাঁ -১ | গা -ধা | পা -ধা I মা পা -ধা | মপা -ধপা | ষজ্জা -১ } I
 ঠু° লে ° আ ° মা ব্ বে দ ° না ° ° ° তে °

I সাঁ রাঁ -১ | রাঁ -১ | জ্জা -১ I জ্জা -১ মাঁ | রাঁ -১ | সাঁ -পা I
 নৃ ত ন্ সৃ ষ্ টি ° জা গ্ ল ব্ ° মি °

I পণা পা -১ | মপা -ধপা | ষজ্জা -রা II
 জী ° ব ন্ প ° ° ° রে °

II { সা গা -১ | মা -১ | গমা -পা I মা জা -রা | জা -রা | সা -১ I
 বা বে • ব • লে • ই বা কা • তু • নি •

I সা -খা ধা | পমা -গা | মা -১ I পা পা -১ | পা -১ | পা -১ I
 সে ই গ র • • বে • ও গো • এ • তু •

I পধা পা -১ | মা -গা | সা -১ I মপা মা -১ | জা -রা | সা -১ } I
 আ • বা হু এ • নে • স • ক ন্ স • বে •

I { না না -১ | না -১ | না -সী I সী -১ সী | সী -না | সী -১ I
 বি ব ম্ তো • মা র্ ব • হি যা • তে •

I সর্গী সী -১ | গা -খা | পা -খা I মা পা -খা | মপা -খপা | মজা -১ } I
 বা • রে • বা • রে • আ মা র্ রা • • • তে •

I সী সী রী | রী -১ | জা -১ I জা জা -মা | রী -১ | সী -পা I
 আ লি রে দি • লে • নু ত ন্ তা • রা •

I পগা পা -১ | মপা -খপা | মজা -রা II II
 বা • ধা র্ ভ' • • • রে •